

: (-) - - -

{ بسم الله الرحمن الرحيم }



:
[] (())

:
[] (())



:(-) : - -

!

وَمَا يَنْطِقُ عَنِ الْهَوَىٰ ﴿٣﴾ إِنَّ هُوَ إِلَّا وَحْيٌ يُوحَىٰ ﴿٤﴾

[- :]

!

:

(())

[]

:(-):

[] : (())

[] : (())

[] : (())



[] : (())

:(-) : - -

:
:
(())
[]

:

وَالْيَوْمِ الْمَوْعُودِ ②

[:]

وَالسَّمَاءِ ذَاتِ الْبُرُوجِ ① وَالْيَوْمِ الْمَوْعُودِ ② وَشَاهِدِ
وَمَشْهُودِ ③

[- :]

:
(())
[]

:
((...))
[]



[] : (())

(()) :

[] (()) :

:- -))

[] ((

:
.
:(-) : - -

[

]

:
)
(

:

.

:(-):

-

-